संपर्क की जाँच क्यों और कैसे की जाती है?

संक्रामक रोगी के संपर्क में रहने वाले लोगों की जाँच यह देखने के लिए की जाती है कि क्या उन्हें संक्रमण हुआ है या वे खुद बीमार हैं। जाँच में एक **ट्यूबरकुलीन त्वचा जाँच, छाती का एक्स-रे या दोनों** शामिल है।

बीमार व्यक्ति के संपर्क में रहने वाले लोगों की भी जाँच की जाती है ताकि संक्रमण के स्रोत का पता लगाया जा सके। संक्रमित व्यक्ति के साथ, एक नर्स उन व्यक्तियों की सूची तैयार कर लेगी, जिनके साथ वह व्यक्ति पिछले महीनों में लगातार संपर्क में रहा है: परिवार के सदस्य, दोस्त, सहकर्मी, सहपाठी, किसी संघ या अवकाश क्लब के सदस्य।

क्या आप और अधिक पता लगाना चाहते हैं?

किसी चिकित्सक की सलाह लें।

www.zorg-en-gezondheid.be पर जाएँ या अपने प्रांत की एजेंसी "Zorg en Gezondheid" से संपर्क करें:

- **एंटवर्प:** 03 224 62 04
- **लिम्बर्ग:** 011 74 22 40
- **ईस्ट फ्लैंडर्स:** 09 276 13 80
- **फ्लेमिश ब्रैबंट:** 016 66 63 50
- **वेस्ट फ्लैंडर्स:** 050 24 79 00

www.vrgt.be पर जाएँ या अपने प्रांत के फ्लेमिश "Vereniging voor Respiratoire Gezondheidszorg en Tuberculosebestrijding" (असोसिएशन फॉर रेस्पिरेटरी हेल्थ केयर एंड ट्यूबरक्यूलोसिस) (VRGT) से संपर्क करें:

- **एंटवर्प:**
  बर्चेम: 03 287 80 10 - टर्नहॉट: 014 41 13 62
- **लिम्बर्ग:** 011 22 10 33
- **ईस्ट फ्लैंडर्स:** 09 225 22 58
- **फ्लेमिश ब्रैबंट:** 016 33 25 25
- **वेस्ट फ्लैंडर्स:** 059 70 26 85

Resp. ed.: Dirk Dewolf, Agentschap Zorg en Gezondheid - 11/2014

Uit het Nederlands vertaalde folder die ook in het Nederlands te verkrijgen is via bovenstaande contactgegevens.

Agentschap Zorg en Gezondheid
Koning Albert II-laan 35 bus 33
1030 BRUSSEL
www.zorg-en-gezondheid.be

Vlaamse Vereniging voor Respiratoire Gezondheidszorg en Tuberculosebestrijding vzw

Vlaanderen
is zorg

तपेदिक

AGENTSCHAP
ZORG & GEZONDHEID

तपेदिक एक संक्रामक रोग है जो ट्यूरेकल बेसिलस या कोच के बेसिलस के कारण होता है। आमतौर पर फेफड़ों के तपेदिक के रूप में जाना जाने वाला यह रोग कभी-कभी गुर्दे, हड्डियों, मस्तिष्क, ग्रंथियों या अन्य अंगों को भी प्रभावित करता है।

आप कैसे संक्रमित होते हैं?

तपेदिक लगभग हमेशा ही **हवा के माध्यम** से फैलता है। जब फेफड़ों के संक्रामक रोग तपेदिक से ग्रसित एक व्यक्ति खांसता है, बोलता है या छींकता है तो ट्यूरेकल बेसिली हवा में फैल जाता है। हो सकता है कि आसपास बैठे लोग बैक्टीरिया में साँस ले रहे हों। यदि बैक्टीरिया फेफड़ों में घुस जाते हैं तो ये एक छोटे संक्रमण का कारण हो सकता है जो आम तौर पर सहज रूप से ठीक हो जाता है लेकिन यह कुछ व्यक्तियों में आगे भी फैल सकता है।

बैक्टीरिया अन्य अंगों (किडनी, हड्डियों, मस्तिष्क, ग्रंथियों ...) तक **रक्त या लसीका वाहिकाओं के माध्यम से** पहुँच सकते हैं। तपेदिक कभी भी वस्तुओं (कटलरी, कपड़े, किताबें, बेड के कपड़े ...) के माध्यम से नहीं फैलता।

तपेदिक किसको हो सकता है?

कोई भी तपेदिक का शिकार हो सकता है। हालाँकि, छोटे बच्चे और कम प्रतिरोधक क्षमता वाले लोग इस बीमारी के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं।

इसके लक्षण क्या हैं?

सक्रिय फेफड़ों में तपेदिक के सबसे आम लक्षण हैं:

- लगातार होने वाली खांसी, अधिकांशतः बलगम के साथ
- भूख न लगना
- वजन कम होना
- छाती में दर्द
- (उच्च) बुखार
- रात में पसीना आना
- थकान

हो सकता है कि सभी शिकायतें एक ही समय में प्रकट न हो। कुछ लोगों में इनमें से कोई भी शिकायत न होने पर भी वो तपेदिक से पीड़ित हो सकते हैं।

क्या तपेदिक का इलाज है?

हाँ, यह बीमारी पूरी तरह से ठीक हो सकती है। इसके उपचार में आमतौर पर तीन या चार दवाइयाँ (एंटीबायोटिक) लेनी होती हैं।

इन एंटीबायोटिक दवाओं को कम से कम छह महीने तक लिया जाना चाहिए क्योंकि बैक्टीरिया को नष्ट करना मुश्किल होता है। ठीक से इलाज न कराने से यह दोबारा हो सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि इलाज अधिक कठिन हो जाए क्योंकि बैक्टीरिया साधारण एंटीबायोटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोधक हो जाते हैं।

अन्य लोगों के लिए आप कब संक्रामक होते हैं?

जब आपके बलगम (संक्रामक फेफड़ों के तपेदिक) में ट्यूरेकल बेसिली दिखाई देती है, तब आप संक्रामक होते हैं। यदि कोई ट्यूरेकल बेसिली दिखाई न दे, तो रोग को गैर संक्रामक फेफड़ों का तपेदिक कहा जाता है। किसी अन्य अंग का तपेदिक संक्रमण (फेफड़ों के बाहर) संक्रामक नहीं है।

जब आप कुछ हफ्तों तक ठीक से इलाज करा रहे होते हैं, तो खांसी और संक्रामकता घट जाती है, लेकिन बीमारी अभी तक ठीक नहीं हुई है। खांसी के समय उचित स्वच्छता बरतने से अन्य लोगों के संक्रमित होने का खतरा भी कम हो जाता है: आपको हमेशा अपने मुंह के सामने अपना हाथ रखकर टिश्यू पेपर पर खांसना चाहिए और चेहरे को अन्य लोगों से दूर रखना चाहिए। टिश्यू पेपर को कचरे की टोकरी में फेंक दें और अपने हाथों को पानी और लिक्विड सोप से धो लें।